

स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन

मीना मिश्रा,

शोधार्थी, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ. हरीश कंसल,

शोध पर्यवेक्षक एवं सहायक आचार्य, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर

सारांश : प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना था। इस अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। न्यादर्श के लिए जयपुर जिले के 600 विद्यार्थियों का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। आंकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी-परीक्षण के द्वारा किया गया। प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है। स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है। स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

मुख्य शब्द:—स्मार्ट कक्षा, अभिवृत्ति।

प्रस्तावना

आईसीटी संचार और सूचना की एक तकनीक से शिक्षकों और शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम निर्माण और वितरण प्रणाली में बदल गया है। सीखना यह नहीं है कि कोई कितना परेशान हो सकता है। बल्कि यह वह ज्ञान है जो किसी व्यक्ति द्वारा स्कूलों में सीखी गई बातों को भूल जाने के बाद भी शेष रह जाता है। इस प्रकार हम दृश्यों और गतिविधियों की सहायता से अवधारणाओं को सीखने पर जोर देते हैं। ऐसा दृष्टिकोण रखने के लिए स्मार्ट लर्निंग की शुरुआत की गई थी।

प्रौद्योगिकी ने संचार से लेकर शिक्षा तक हमारे जीवन के हर पहलू में हमें लाभान्वित किया है। शिक्षण के नए तरीके शुरू किए गए हैं जिन्हें स्मार्ट कक्षा के रूप में जाना जाता है। इसमें शिक्षण सामग्री, 3डी एनिमेटेड मॉड्यूल और वीडियो का उपयोग किया जाता है और सभी प्रसिद्ध स्कूल इस अवधारणा का उपयोग कर रहे हैं। अब छात्र नवाचार और इंटरैक्टिव शिक्षण प्रक्रिया की इस अवधारणा से रोमांचित हैं। स्मार्ट कक्षा रूम की अवधारणा ने न केवल शिक्षा को दिलचस्प बना दिया है बल्कि छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका भी दिया है।

स्मार्ट लर्निंग दृष्टिकोण सभी उम्र और जीवन के क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को एक रूपरेखा और कई स्मार्ट थिंकिंग टूल प्रदान करता है जो उच्च स्तर की समझ को प्रेरित करते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षार्थी पृष्ठभूमि ज्ञान को सक्रिय और निर्मित करते हैं, जानकारी को संसाधित करते हैं, अपनी शिक्षा को एक ऐसे उत्पाद में बदलते हैं जो दिखाता है कि वे क्या जानते हैं, और उनकी शिक्षा पर प्रतिबिंबित होता है। सीखने के लिए एक विचारशील संदर्भ बनाने और सभी शिक्षार्थियों की सोच को आगे बढ़ाने के लिए सीखने के लिए संरचित बातचीत और मूल्यांकन को सावधानीपूर्वक

प्रक्रिया में बुना जाता है। स्मार्ट लर्निंग समावेशिता और विभेदीकरण के लक्ष्यों को साकार करता है।

यह शिक्षा में एक नई दृष्टि है। शिक्षा प्रौद्योगिकी का उपयोग शिक्षा में बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है। इंटरनेट और ई-लर्निंग डिवाइस क्लास रूम के माहौल को बेहद अद्भुत बना सकते हैं। भविष्य में कंप्यूटर, इंटरनेट और मल्टीमीडिया उपकरणों के माध्यम से पढ़ाना आम बात हो जाएगी। आजकल विभिन्न मल्टीमीडिया पाठ उपलब्ध हैं। इन मल्टीमीडिया पाठों का उपयोग करके शिक्षक छात्रों को बहुत आसानी से पढ़ा सकते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता

जब हम "कक्षा" शब्द सुनते हैं, तो सबसे पहले हम शिक्षकों, ब्लैकबोर्ड, चॉक और डस्टर के बारे में सोचते हैं। लेकिन आज, प्रौद्योगिकी ने कक्षा की हमारी कल्पना को पार कर लिया है। महामारी के दौरान, हमने शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक मानकों, प्रगति और नवाचारों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों ने वर्चुअल व्हाइटबोर्ड, प्रोजेक्टर और अन्य ऑडियो/विजुअल घटकों के माध्यम से आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाया है। स्मार्ट कक्षा के ये सभी तत्व छात्रों के लिए सीखने को मनोरंजक और दिलचस्प बनाते हैं और शिक्षकों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने में सक्षम बनाते हैं।

"स्मार्ट कक्षा" शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव अवधारणा है। आजकल हम इंटरनेट के युग में जी रहे हैं, इसलिए हमारी शिक्षा प्रणाली भी ऑनलाइन होने जा रही है। इस माहौल में ई लर्निंग और ऑनलाइन एजुकेशन इस समय की जरूरत है। स्कूलों और शिक्षा में इंटरनेट का उपयोग न केवल एक सपना है, बल्कि यह समय की जरूरत भी है। स्मार्ट कक्षा में कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, इंटरनेट कनेक्टिविटी और अन्य मल्टीमीडिया डिवाइस जैसे होम

थिएटर आदि होते हैं। ऐसे नए वातावरण में शिक्षक की भूमिका संशोधित हो सकती है। स्मार्ट कक्षा में छात्र इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं और यह गतिविधि छात्रों और सीखने के सिद्धांत के बारे में पुरानी सोच को बदल सकती है। इसलिए प्रस्तुत अध्ययन में स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है।

समस्या कथन

स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन

शोध के उद्देश्य

- 1 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- 2 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- 3 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजीके विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

- 1 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।
- 2 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।
- 3 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

शोध विधि –इस शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श –प्रस्तुत शोध में जयपुर जिले के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के हिंदी माध्यम व अंग्रेजी माध्यम के माध्यमिक स्तर के 600 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

उपकरण –इस शोध कार्य में आंकड़ों का संकलन करने के लिए स्वनिर्मित “विद्यार्थी अभिवृत्ति मापनी” का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विधि– आंकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी-परीक्षण के द्वारा किया गया।

विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1 –स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

सारणी : 1

स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में अंतर

| समूह | संख्या | मध्यमान | प्रमाप विचलन | टी-मान | परिणाम |
|-----------------------|--------|---------|--------------|--------|----------|
| सरकारी विद्यार्थी | 300 | 29.79 | 6.58 | 6.02 | अस्वीकृत |
| गैर सरकारी विद्यार्थी | 300 | 33.35 | 7.84 | | |

व्याख्या –

उपर्युक्त सारणी 1 में स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर को दर्शाती है। सारणी में प्रदर्शित परिणामों से यह स्पष्ट है कि स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 29.79 व 33.35 और प्रमाप विचलन क्रमशः 6.58 व 7.84 है। मध्यमान एवं प्रमाप विचलन की सहायता से टी-परीक्षण की गणना करने पर मान 6.02 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 598 के 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना “स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है” अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना 2 –स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजीमाध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

सारणी : 2

स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में अंतर

| समूह | संख्या | मध्यमान | प्रमाप विचलन | टी-मान | परिणाम |
|-------------------------------|--------|---------|--------------|--------|----------|
| हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी | 150 | 25.17 | 9.24 | 2.00 | अस्वीकृत |
| अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थी | 150 | 27.44 | 10.37 | | |

व्याख्या –

उपर्युक्त सारणी 2 में स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्तिमें सार्थक अंतर को दर्शाती है। सारणी में प्रदर्शित परिणामों से यह स्पष्ट है कि स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का मध्यमान क्रमशः 25.17 व 27.44 और प्रमाप विचलन क्रमशः 9.24 व 10.37 है। मध्यमान एवं प्रमाप विचलन की सहायता से टी-परीक्षण की गणना करने पर मान 2.00 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 298 के 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना “स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है” अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना 3—स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं होता है।

सारणी : 3

स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजीमाध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में अंतर

| समूह | संख्या | मध्यमान | प्रमाप विचलन | टी-मान | परिणाम |
|-------------------------------|--------|---------|--------------|--------|---------|
| हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी | 150 | 30.37 | 8.27 | 0.88 | स्वीकृत |
| अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थी | 150 | 31.28 | 9.55 | | |

व्याख्या –

उपर्युक्त सारणी 3 में स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्तिमें सार्थक अंतर को दर्शाती है। सारणी में प्रदर्शित परिणामों से यह स्पष्ट है कि

स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्तिका मध्यमान क्रमशः 30.37 व 31.28 और प्रमाप विचलन क्रमशः 8.27 व 9.55 है। मध्यमान एवं प्रमाप विचलन की सहायता से टी-परीक्षण की गणना करने पर मान 0.55 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 298 के 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना “स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है” स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष

- 1 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया।
- 2 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर पाया गया।
- 3 स्मार्ट कक्षाओं के प्रति माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

संदर्भ

- डंगवाल, किरण लता एवं श्रीवास्तव, शिप्रा (2016). डिजिटल पेडागोजी इन टीचर एजुकेशन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्स एण्ड कम्प्यूटिंग* वो.3 नंबर 2 पृष्ठ संख्या 67–72.
- देवपुरा, विभा अगस्त (2017). इफेक्टिवनेस ऑफ स्मार्ट क्लास ऑन अचीवमेंट ऑफ स्टूडेंट्स इन साइंस एट द अपर प्राइमरी लेवल. *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन एनसीईआरटी*, वॉल्यूम 43 नंबर 2 पृष्ठ संख्या 98–150.
- दाश, मनोज कुमार (मई 2018). वेब बेस्ड टेक्नोलॉजी फॉर स्टूडेंट सपोर्ट सर्विसेज इन ओ.डी.एल. सिस्टम एक्सपेरिमेंट ऑफ रीजनल सेंटर जयपुर. *इंडियन जर्नल आफ ओपन लर्निंग* वॉल्यूम 27, 2 पृष्ठ संख्या 95–107.
- दामानी, किरण प्रहलाद (2018). पयूचर क्लासरूम एंड कन्सेप्ट मेपिंग. *प्राची जर्नल ऑफ साइको कल्चर डाइमेंशंस* वॉल्यूम 34 नंबर 2 पृष्ठ संख्या 101–106.
- <https://www.hindivartalap.com/smart-class-ki-upyogita-par-hindi-essay/>